Kirtu presents

#102

# सविता भाभी

## बेशर्म औरत!

कहानी: डार्कमार्क
चित्र: कोकोय
रंग: स्काईवॉकर

www.kirtu.com

मैं अपने लंच के लिए जा रही हूं, बाद में आती हूँ.

मैडम, ये रेस्टॉरेंट आपका ही है. आप यहां भी लंच कर सकती हैं.
बात तो सही है. पर मुझे थोड़ा बाहर घूमने का मन है.

चलो भी लड़कों! अच्छे से खेलो.

CRACK

गुड शॉट, रन!

यकीन नही आता!
शानदार लक है!

हम फिर जीत गए!
हम? सब तुम्हारा लक है.

हां, उस दिन के बाद से हम लगातार जीत रहे हैं...

जिस दिन तुम लोगो ने चुदाई मचाई थी.
HA
HA
HA
HA
HA

WHOO
HOO HOOo!

कही भी चालू हो जाते हो!

ऐसे करोगी
तो हम सबका लंड खड़ा
कर दोगी!

हम्म, मुझे लगा तुम्हारे जीतने के पीछे यही वजह है.

मैं तुम लोगो से रेस्टोरेंट में मिलती हूँ, हम जरूर मनाएंगे.

और जो वहां पहले पहुंचेगा उसे मुफ्त बियर!
खुद को इतना जलील नही करना चाहिए तुम्हे.

क्या आप मुझसे कुछ कह रहे थे?
यहां कोई और वेश्या नही दिख रही मुझे.

माफ करिये. क्या आप मुझे जानते हैं?
बदकिस्मती से, तुम्हारे जैसी औरतें आज कल बहुत मिलती है.

मेरे जैसी...मतलब?
जो ना खुद कि इज्जत करती है, और ना ही अपनी सभ्यता की.

मैं समझी नहीं.
इन लड़को से तुम इतना प्यार से लिपट रही थी, इनमे से कोई भी तुम्हारा पति नही लगता--

क्या ये आदमी तुम्हे परेशान कर रहा?
नही, गौरव, अब ठीक है.

इन सज्जन के
पास कुछ दिलचस्प विचार हैं,
जो मुझे सुनने हैं.

मैं बाद में मिलती हूँ.
हम्म, जैसा तुम कहो...

तो आपके विचार से--
हमारी जवान लड़कियां विदेशी सोच में पड़ कर भ्रष्ट होती जा रही हैं!

कोई लाज शर्म बची ही नहीं है.
तो, आपको लगता है कि एक औरत को सिर्फ और सिर्फ--

अपने पति के साथ रहना चाहिए! परंपरा और संस्कार बने ही इसीलिए है...

की एक औरत को समाज मे उसकी सही जगह बताई जा सके.
समझी मैं.
अरे यार, क्या बंददिमाग चूतिया है!

इसे अपनी तरह से समझाना ही पड़ेगा.
अरे ये क्या, बातों बातों में हम मेरे घर की तरफ चले आए.

अब इतना दूर आ ही गये हैं तो क्या आप एक कप चाय के लिए अंदर आना चाहेंगे?

पर, ऐसा नही करना--
मुझे औरतों के ऊपर आपके और विचार सुनने हैं.

सच में?
हाँ, आज के जमाने में ऐसे सुविचार कहाँ सुनने को मिलते हैं.

मुझे अपने घर पर बुलाने से पहले तुम्हे पति से पूछ लेना चाहिए.
ओह्ह, अम्म... मैं उन्हें काम पर डिस्टर्ब नहीं कर सकती.

वेसे आपकी बीवी क्या कहेगी आपके यहाँ आने पर?
वो कई साल पहले मर चुकी है.

मुझे दुःख हुआ--
पर वो भी खुश
होती इस बात पर की मैं एक भटकी हुई
औरत को सही राह...

--और संयम सीखा रहा हूँ
क्या आपकी बीवी हमेशा आपकी हां में हां मिलाती थी?

वो वैसी ही थी जैसा लोग चाहते थे, कम बोलना, अपने काम से काम रखना.

ऐसा कौन चाहते थे?

मैं, और उसके पिताजी--

हम्म, और स्वतंत्र लड़कियों के बारे में आपके क्या ख्याल हैं?
मैं समझा नहीं.

वो लड़कियां,
जो पढ़ी लिखी हैं, मॉर्डन हैं, जो
अपनी सोच खुद चुनती हैं.
मैं--

और महिलाओं की यौन इच्छा के बारे में आपके क्या ख्याल हैं?
इच्छा? उनकी सिर्फ एक ही इच्छा होनी चाहिए, अपनी पति को खुश करना--

पर इस तरह से उसे ओगस्म कैसे मिलेगा--
एक संस्कारी औरत ऐसी बातें नही सोचती!

और आप जैसे आदमियों का क्या, जो अपने साथी को खो चुके हैं--

वो बहुत पुरानी बात है, मैं अब उस बारे में नही सोचता.
नही सोचते?

किसी सुंदर औरत के साथ के बारे में कोई कैसे सोचना बंद कर सकता है?

वो....मैं--
क्या तुम मुझे छूना नहीं चाहते?

ये तुम्हारा अपमान होगा.

अगर तुम चाहते हो तो मुझे बुरा नही लगेगा.

आह...भूल ही गया था कि ये कितने मुलायम होते हैं.
इनके सही मजे लेने का एक और तरीका है.

ओह्ह...आराम से.

तुम मेरा मन बहका रही हो. चुचियाँ सिर्फ बच्चो के लिए है.

सही कहा तुमने...मुझे शर्म आनी चाहिए अपने सेक्सी जिस्म पर.

मेरे शरीर का काम सिर्फ बच्चे पैदा करना है.

और तुम्हारे साथ बच्चे तो होंगे नही...

और क्योंकि तुम्हे मेरे साथ बच्चे पैदा नहीं करने हैं--

तो मेरे कपड़ो के अंदर जो भी है, उससे तुम्हे...

कोई फर्क नही पड़ना चाहिए.
GULP!

मम्मम, मेरी चूत फुदक रही है--

पर, ऐसा नही करना चाहिए मुझे! तुम भी उत्तेजित हो गए!
मुझे कुछ नही हुआ है--

उत्तेजित नहीं हो तो अच्छा ही है, क्योंकि इन कपड़ो में मुझे बहुत गर्मी लग रही है.

और तुम्हे फर्क नही पड़ता तो कपड़े होने ना होने से क्या मतलब.
पर--

मुझे हमेशा ही गर्मी चढ़ी रहती है, तुम्हारा क्या हाल है?
मैं ठंडा रहता हूँ--

ये लो, मेरी पैंटी तुम्हे गर्म रखेगी!

अब तुम्हे भी
गर्म किया जाए--

अरे नही, ये क्या नुकीली चीज है--

कुछ नही है--
मुझे देखने दो.

मुझे लगा तुम उत्तेजित नही हो??
नही हु, बस--

ये लंड तो स्टील जैसा कड़क बना हुआ है!

वो तो ऐसे ही...

शरीर का काम है...
MMMM

हे भगवान...बहुत समय बाद ये एहसास मिल रहा है--
GUK GUK

हां, ये टट्टे वीर्य से भरे हुए हैं.

ये गलत है,तुम
मुझे फसा रही हो!

ऐसा तुम्हे लगता है, पर मेरी आग तो अब भड़क चुकी है...

मैं अब रुक नहीं सकती!

मुझे इस वेश्या के जादू से बचना ही होगा!
OHHHHH...
MMM-MMMM...
UNGHHHH...

ये क्या कर रही हो--
OHHHHH...
MMM-MMMM...
UNGHHHH...

क्या मतलब है इसका?

मुझे ओर्गास्म चाहिए!

पर ऐसे
मत करो, ये काम कुदरत
के खिलाफ है--

मैं तुम्हारी मदद करता हूँ!

OOOOHHHH!
FOC
FOC
FOC

कुदरत के खिलाफ है, हम्म?
TOC
TOC
TOC

कोई भी यौन क्रिया...
TOC
TOC
TOC

जिसका नतीजा...
FOC
FOC

बच्चे की पैदाइश...

आह, भाड़ में जाये ये बकवास!
FOC
FOC
FOC

तुम्हारी चूत बहुत कसी हुई है!
TOC
TOC
TOC

थैंक्स!
FOC
FOC

बुढ़ऊ !
TOC
TOC
TOC

अब ठीक से चुदाई करो!
FOC
FOC
FOC

थोड़ा टाइम लगा!

तुम्हारे अंदर के सेक्स जानवर को छूने में...
TOC
TOC
TOC

पर इस उम्र में भी बहुत जोश है...
FOC
FOC
FOC

इस पुराने शरीर में!
TOC
TOC
TOC

पर एक अच्छा सेक्स किसी के ऊपर नही करते...

उसके साथ करते हैं.

तो अब तुम मुझे देखो...

मम्मम....
मजा आ गया...
TOC
TOC
TOC

इस चुदाई मे.
मुझे भी.
FOC
FOC
FOC

इस पोजीशन में अपनी बीवी के साथ सेक्स किया है?

कभी नहीं.

तुम्हारी इच्छा नहीं होती थी?

हर बार.

क्या कर रही हो?
TOC
TOC
TOC

मुझे पता है, तुम्हारे ख्याल से औरत का ओर्गास्म...

किसी काम नही आता...
FOC
FOC

पर मुझे फिर भी चाहिए...
TOC
TOC
TOC

ये...

सुंदर नजारा है.
FOC
FOC
FOC

अब मेरी बारी.
FOC
FOC
FOC

सोचो, इतने साल
कितने मजे ले सकते थे!
SPURT
SPURT

पहले की मेरी बातों को माफ कर देना.
माफ कर दिया.

ये कौन था?
कुछ धर्म की बातें ले कर आया था.

मुझे रेस्टोरेंट वापस जाना है--
हम्म, ठीक है, बाद में मिलते हैं.

शोभा? मेरे घर आ जाओ,
और अपना ड्रइंग का सामान भी लेते आना.
मेरे पास बहुत सारे आईडिया हैं.

ये देखो, मैने बूब्स बनाने का नया तरीका निकाला है--
मैंने झूठ बोला था.

मेरे पास कोई आईडिया नही है--
तो तुमने फोन पर क्यो कहा--

मैंने तुम्हें यहाँ इसीलिए बुलाया है ताकि तुम मुझे बता सको की सविता कि बर्थडे पार्टी में क्या हुआ था!

तुम भी तो वही--
पर मुझे कुछ याद नही है!

कुछ भी नहीं?
एक भी चीज नहीं!

मुझे सविता को बचाना होगा. अशोक को सच कभी पता नही चलना चाहिए...

कुछ नहीं हुआ था.
इतनी बोरिंग पार्टी मैंने आज तक नहीं देखी थी.
पर, मुझे ऐसा सपना आया था--

क्या तुम्हें मैं सुंदर नही लगती?
बहुत सुंदर हो, पर--

तुमने कभी प्रेरणा के लिए मेरा इस्तेमाल नहीं किया.

मैं नहीं चाहता था
कि तुम कुछ गलत--

मैं चाहती हूं कि तुम्हारी कहानियों में हीरोइन मैं बनु.
अच्छी? पर--

MMMM

तुम्हे पहले ही बताना था ना.
FOC
FOC
FOC

मुझे डर था...
TOC
TOC
TOC

कि तुम्हे मैं उतनी सेक्सी नहीं लगूंगी...
FOC
FOC
FOC

कि तुम कहानियां लिखो मेरे ऊपर.
TOC
TOC
TOC

क्या पागल जैसी बात करती हो! मुझे तो आज भी अपनी चुदाई याद है.

और मुझे... बहुत प्रेरणा... मिल रही है...
TOC
TOC
TOC

सच में?
FOC
FOC
FOC

ओह हां, देखो कितना खुश किया है तुमने!!
SPURT
SPURT

डरो मत सविता, मैं हूँ ना.
समाप्त